बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 1

29 फाल्गुन, 1938 (श.)

सोमवार, तिथि ----------

20 मार्च, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 32

1.	ग्रामीण कार्य विभाग	....	....	12
2.	पथ निर्माण विभाग	....	....	10
3.	ग्रामीण विकास विभाग	....	....	02
4.	कृषि विभाग	....	....	02
5.	पंचायती राज विभाग	....	....	03
6.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	....	....	02
7.	भवन निर्माण विभाग	....	....	01

			कुल योग –	**32**

सड़क निर्माण नहीं

***** 261. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण के कोटवा प्रखंड की अहिरौलिया पंचायत में तुरहापट्टी गांव है। जबकि अहिरौलिया पंचायत में चारों तरफ सड़क का निर्माण कराया गया है परंतु मुख्य पथ शर्मा साह के घर से हिरामन साह के घर होते हुए अच्छे लाल के घर तक मात्र 1000-1100 फीट तक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त ग्राम में सभी अति पिछड़ों की आबादी है तथा 400-500 घर हैं जो लोग मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त गांव कि सड़कें गड्ढे में तबदील हो गई हैं तथा बरसात एवं अन्य मौसम में भी यहां चलना मुश्किल है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पूर्वी चम्पारण के कोटवा प्रखंड की अहिरौलिया पंचायत के अहिरौलिया तुरहापट्टी में लगभग 1000-1100 फीट सड़क का निर्माण कराना चाहती है?

सड़क का पुन: निर्माण

***** 262. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के बेनीपट्टी अंतर्गत लोहिया चौक से हरलाखी प्रखंड के उमगांव चौक तक वर्षों पूर्व ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा निर्मित सड़क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क के दोनों किनारे बसे सैकड़ों गामीणों को आवागमन में अत्यधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, कहीं-कहीं बने पुल सड़क से अलग हो गए हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त सड़क दो प्रखंडों को कम समय में आपस में जोड़नेवाली मुख्य सड़क है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार आमजन के सुगमतापूर्वक आवागमन हेतु उक्त सड़क का पुन:निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

सड़क निर्माण कबतक

***** 263. **डा. उपेन्द्र प्रसाद**: क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के प्रखंड इमामगंज अंतर्गत ग्राम-कोठी से ग्राम-इमनावात तक सड़क काफी दयनीय है जो दो पंचायत बीकोपुर एवं बिराज को जोड़ती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क से बरसात के दिनों में आने-जाने में काफी परेशानी होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उपर्युक्त सड़क का निर्माण जनहित में करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पुल का निर्माण कबतक

***** 264. **श्री मंगल पाण्डेय**: क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार सरकार ने गंगा नदी के ऊपर दीदारगंज-राघोपुर के बीच पटना जिलांतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सं.-30 पर अवस्थित कच्ची दरगाह एवं वैशाली जिला अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ सं.-103 पर अवस्थित विदुपुर के बीच गंगा नदी का 6 लेन ग्रीन फिल्डपुल के निर्माण के लिए 23.08.2015 को शिलान्यास किया गया तथा 25.04.2016 को कार्यारंभ के लिए शिलान्यास किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि इस पुल के लिए अनुमानित लागत 5000 करोड़ रु. है जिसमें से 3000 करोड़ बिहार सरकार तथा 2000 करोड़ एडीबी से लॉन के रूप में लेकर पुल निर्माण किया जायेगा;

(ग) क्या यह सही है कि शिलान्यास एवं कार्यारम्भ हुए एक वर्ष से ज्यादा की अवधि बीत चुकी है परंतु कार्य प्रारम्भ नहीं हो सका है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बताना चाहती है कि तय समयसीमा जो वर्ष 2020 है के अंतर्गत इस पुल का निर्माण करा पायेगी, यदि हां तो कैसे?

सड़क निर्माण नहीं

***** 265. **श्री मो. तनवीर अख्तर** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सुपौल जिला के बसंतपुर प्रखंड, पंचायत-परमानन्द के अंतर्गत राजेन्द्र चौक से दक्षिण जान वाली भगवानपुर पंचायत के कोचगामा मौलवी इसहाक टोला होते हुए फुलकाहा केनाल से मांजा शुभंकरपुर छोटा टापू होते हुए कोचगामा सीमा तक सड़क कच्ची है;

(ख) क्या यह सही है कि उपरोक्त कच्ची सड़क लगभग 4 किलोमीटर है जिससे यातायात में बड़ी असुविधा होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस महत्वपूर्ण सड़क को कबतक बनाने का इरादा रखती है?

पुल निर्माण कबतक

***** 266. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत भोरे विजयीपुर मुख्यमार्ग के मुसहरी बाजार में अहियापुर होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा के नंदपुर तक जाने वाली पी.एम.जी.एस.वाई सड़क बनकर तैयार है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ पर छितौना घाट पुल विगत कई वर्षों से क्षतिग्रस्त है जिसके कारण उस पथ का समुचित उपयोग क्षेत्रवासियों द्वारा नहीं हो पाता है एवं ग्रामीणों द्वारा चचरी का पुल बनाकर आवागमन किया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कबतक उक्त पथ पर छितौना घाट पर पुल का निर्माण करना चाहती है एवं क्षेत्रवासियों को उस पथ का समुचित लाभ देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

5400/- ग्रेड पे नहीं

***** 267. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि ग्रामीण विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी बिहार लोक सेवा आयोग से राजपत्रित पद पर चयनित होने के बावजूद उनका वेतनमान 9300-20200/- में 4200/- ग्रेड पे पर कार्य कर रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि पूर्व में प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी जो प्रखंड विकास पदाधिकारी थे उनका ग्रेड पे 5400/- रुपया था;

(ग) क्या यह सही है कि समान पद समान वेतन नीति का यह उल्लंघन है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्रामीण विकास पदाधिकारियों को 5400/- ग्रेड पे देना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पथ निर्माण कबतक

***** 268. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत एन.एच.-80 रामपुर शहीद द्वार गेट से लाखुचक पथ आउटपुट एवं परफॉर्मेंस आधारित अनुरक्षण श्रेणी 1 की सूची में सम्मिलित है जिसका प्राक्कलन तैयार कर मुख्य अभियंता-4, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार, पटना को समर्पित किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि मुंगेर जिलान्तर्गत माननीय मुख्यमंत्री महोदय की अध्यक्षता में माननीय जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में प्राप्त अभ्यावेदन के आलोक में ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-जनशिकायत कोषांग 1027/16 एवं 12221, दिनांक 24.10.16 के द्वारा उक्त पथ के निर्माण हेतु कार्रवाई का निदेश दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार उक्त वर्णित पथ का निर्माण करने के प्रति विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क निर्माण नहीं

***** 269. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के जमुआंवा (वजीरगंज प्रखंड) से शेवतर होते हुए तपोवन (मोहड़ा प्रखंड) को जोड़ने वाली सड़क का चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य विभाग द्वारा कराया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ रिउला हाट (मोहड़ा प्रखंड) एवं शेवतर बाजार से होकर गुजरती है;

(ग) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा हाट और बाजार क्षेत्र में सड़क के दोनों तरफ आर.सी.सी. नाली और पी.सी.सी. सड़क का निर्माण होता है;

(घ) क्या यह सही है कि निर्माणाधीन सड़क के उत्थान के प्राक्कलन में विभाग ने इस पर ध्यान नहीं दिया गया है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस त्रुटि पर ध्यान देकर अविलम्ब प्राक्कलन में आवश्यक सुधार कर, सड़क का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

भौतिक सत्यापन कबतक

***** 270. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार ने विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 में बनाया और इसकी देखादेखी राज्य सरकार ने बिहार विधिक माप विज्ञान प्रवर्त्तन नियमावली बनायी जो अप्रैल, 2014 से लागू किया गया, लेकिन इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन नहीं किया जिससे दुकानदार द्वारा तौल में ग्राहक ठगे जा रहे हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के 38 जिलों में अप्रैल, 2016 से दिसम्बर, 2016 तक विभागीय अधिकारियों एवं निरीक्षकों द्वारा 21,844 दुकानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें नियमावली का नहीं पालन करने वाले 12,221 व्यवसायियों को दोषी पाया गया किन्तु 75 मामलों पर ही कार्रवाई हुई जिससे माप में गलत करने वालों को न तो कोई भय और न ही आम लोगों को इसका लाभ मिल रहा है और प्रावधान केवल कागज पर ही सिमट कर रह गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नापने-जोखने के लिए बटखरे-तराजू आदि उपयोग करने वाले सभी करोबारियों को इनका भौतिक सत्यापन कराने और क्रेताओं को लाभ दिलाने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

सड़क निर्माण कबतक

***** 271. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत एकमा से सहाजीतपुर होते हुए मशरक तक जाने वाली सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार इस सड़क को कबतक संपूर्ण रूप से बनाने का विचार रखती है ?

सड़क निर्माण शीघ्र

***** 272. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत परसा बाजार से सम्पत चक की सड़क गड्ढे में तब्दील हो चुकी है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना के दक्षिणी भाग का यह काफी महत्वपूर्ण सड़क है उसी सड़क से होकर वाटर पार्क के लिए लोग जाते हैं तथा कई स्कूल बसें भी आती जाती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार परसा बाजार से सम्पत चक की सड़क का निर्माण जनहित में शीघ्र कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

अनुशासनहीन पदाधिकारी पर कार्रवाई नहीं

***** 273. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि राज्य में पंचायती राज व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने हेतु सरकार ने पंचायती राज विभाग के पत्रांक-4186/पं. रा., दिनांक 09.07.2013 के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं तथा पदाधिकारियों/कर्मचारियों के बीच समन्वय एवं सहयोग स्थापित करने एवं बैठकों में उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देश जारी किया है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा उपर्युक्त जारी संकल्प का अनुपालन नहीं किया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वैशाली जिलान्तर्गत जिला परिषद्, वैशाली एवं पंचायत समिति, महुआ की गत् एक वर्ष की बैठकों की उपस्थिति पंजी मंगवाकर उसका अवलोकन कर अनुशासनहीन पदाधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

किसानों को लाभ नहीं

***** 274. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि कृषि यांत्रीकरण योजना के अन्तर्गत विभाग में अब तक मात्र पांच प्रतिशत राशि खर्च किया है;

(ख) क्या यह सही है कि कृषि का विकास सरकार की प्राथमिकता नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यांत्रीकरण में 2016-17 में आवंटित राशि को समयसीमा के अन्दर खर्च कर किसानों को लाभ देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नोडल पदाधिकारी के माध्यम से उपस्थिति

***** 275. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि पटना जिले में कार्यरत कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) अपनी उपस्थिति विवरणी स्वयं उप विकास आयुक्त को प्रेषित करते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग का स्पष्ट निदेश है कि संविदा पर कार्यरत वैसे सभी कर्मियों की उपस्थिति विवरणी उनके वरीय पदाधिकारी द्वारा देने का प्रावधान किया गया है किन्तु कार्यक्रम पदाधिकारियों की उपस्थिति विवरणी उनके नोडल पदाधिकारी द्वारा नहीं दी जाती है जिससे प्राय: कार्यक्रम पदाधिकारी अपनी ड्यूटी से गायब पाये जाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार मनरेगा में कार्यरत सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों की उपस्थिति विवरणी उनके नोडल पदाधिकारी के माध्यम से देने का निदेश देना चाहती है ?

पथ मरम्मती नहीं

***** 276**. श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी डुमरा विश्वनाथपुर से जेल रोड से भौको कोठी होते हुए पुघरी रोड तक सड़क की स्थिति काफी जर्जर एवं दयनीय है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ की स्थिति खराब होने के कारण आवागमन में काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त पथ की मरम्मती एवं चौड़ीकरण करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नया पुल निर्माण कबतक

***** 277. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिम चम्पारण जिले के प्रखंड योगापट्टी में विगत 5 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत सेमरी चौक से जरलपुर खुटवनिया तक सड़क निर्माण एवं उक्त सड़क में पिपरहिया गांव के समीप नदी में पुल का भी निर्माण कराया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत पिपरहिया गांव के समीप नदी में निर्माण कराये गये पुल विगत 3 वर्ष पूर्व पानी के दबाव से पाया टूट कर पुल एप्रोच सहित ध्वस्त हो गया है, जिसके कारण आम जनता को आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ख' में वर्णित पुल के निर्माण में संवेदक द्वारा की गयी अनियमिता की जांच कराकर संवेदक को काली सूची में डालते हुए उनके जमानत राशि को जब्त करते हुए वर्णित ध्वस्त पुल के स्थान पर नये पुल का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पुल निर्माण नहीं

***** 278. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के अगिआंव प्रखंड में पथ निर्माण विभाग के गड़हनी अगिआंव पथ जिसकी कुल लम्बाई 6.8 कि.मी. में अवस्थित सिंचाई विभाग के नहर पर सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित एक बहुत पुराना 20 मी. लम्बाई का पुल था, विधान सभा चुनाव के समय अक्टूबर 2015 में यह पुल टूट गया है;

(ख) क्या यह सही है कि पुल टूट जाने के कारण बड़े वाहन को डायवर्सन से आने-जाने में कठिनाई होती है और कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है;

(ग) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में सरकार का पुल बनाने का प्रस्ताव था और सिंचाई विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र पुल बनाने के लिए दे दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जनहित में कबतक पुल बनाना चाहती है?

सड़क निर्माण शीघ्र

* 279. **श्री हीरा प्रसाद बिन्द** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि नालन्दा जिलान्तर्गत हरनौत प्रखंड के हरनौत-गोनावां सड़क से चेरन गांव जानेवाली सड़क पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है;

(ख) क्या यह सही है कि सड़क क्षतिग्रस्त रहने के कारण बरसात के दिनों में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है तथा कभी-कभी गाड़ियां भी दुर्घटनाग्रस्त होती रहती हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त गांव की सड़क को यथाशीघ्र बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

राशि की स्वीकृति

* 280. **श्री सूरज नंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि समग्र गव्य विकास योजना के तहत स्वरोजगार सृजन के लिए बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए 2,5,10,20 दुधारू मवेशियों की डेयरी इकाई की स्थापना पर अनुदान के रूप में सब्सिडी देने की स्वीकृति दी गई है तथा इसके लिए एक कमिटी का गठन किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा फर्स्ट कम फर्स्ट सर्च के तर्ज पर दुग्ध कमिटी के साथ व्यवस्था के लिए इच्छुक बेरोजगारों तथा शराब के कारोबार बंद करने वाले की योग्यता तथा प्राथमिकता के आधार पर चयन करने तथा डेयरी खोलने वाले के खाता में आर.टी.जी.एस. के माध्यम से पैसा देने का निर्णय लिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताना चाहती है कि सरकार द्वारा लिये गए निर्णय के आलोक में अबतक कितने बेरोजगार युवकों एवं शराब कारोबार बंद करने वालों को समग्र गव्य विकास योजना के तहत डेयरी इकाई खोलने हेतु राशि की स्वीकृति दी गई है तथा उसकी सूची उपलब्ध करायेगी?

नया पुल निर्माण नहीं

* 281. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत रसूलपुर-टेहटी-शिवगंज होते हुए भिट्ठी को जाने वाले पथ में जलालपुर के समीप वर्षों पुराना पुल जर्जर हो गया है;

(ख) क्या यह सही है कि पुल की जर्जरता के कारण उक्त मार्ग से बड़े वाहनों का आवागमन बाधित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित जर्जर पुल के स्थान पर नये पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पुल निर्माण कबतक

* 282. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत परिहार प्रखंड के इन्दरवा घाट से बारा गांव के बीच हरदी नदी पर पुल नहीं रहने के कारण वहां की दस पंचायत का आवागमन अवरुद्ध है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार उक्त नदी में पुल बनाने का विचार रखती है तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सड़क निर्माण कबतक

* 283. **श्री सोनेलाल मेहता** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिला के खगड़िया प्रखंड अंतर्गत एन.एच.-31 नन्हकूमंडल टोला (मध्य रहीमपुर पंचायत) से जंगली मंडल टोला होते हुए मथार ग्राम तक सर्वे की सड़क है ;

(ख) क्या यह सही है कि आजादी के बाद से आज तक खंड 'क' की सड़क नहीं बन पाई है;

(ग) क्या यह सही है कि सड़क नहीं रहने के कारण इस इलाके के आमजनों को काफी कठिनाई हो रही है, खासकर बरसात के दिनों में अधिक;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार आमजनों की सुविधा हेतु सड़क का निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

शीघ्र वायरिंग कबतक

***** 284. **श्री सलमान रागीब** : क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि लाल बहादुर शास्त्रीनगर, पटना स्थित आवास सं. - 352/800 में तीन वर्ष पूर्व वायरिंग की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि वायरिंग अल्युमुनियम तार से की गई थी;

(ग) क्या यह सही है कि अल्युमुनियम तार के वायरिंग की वजह से आग लग गयी थी, जिससे कोई भी अप्रिय घटना हो सकती थी, इस संबंध में आवासी द्वारा पूर्व में आवेदन दिया गया था कि अल्युमुनियम तार की जगह कॉपर तार से वायरिंग कराई जाय लेकिन अभी तक इसपर कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त आवास सं.-352/800 शास्त्रीनगर में कॉपर तार से अतिशीघ्र वायरिंग कराना चाहती है, ताकि भविष्य में कोई भी अप्रिय घटना की संभावना कम हो सके?

पथ निर्माण कबतक

***** 285. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला के दाउदनगर प्रखंड के भरूब से मलवा पथ की स्थिति काफी जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ पर जगह-जगह गड्ढ़ा बना हुआ है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त प्रखंड के अरांड से खुदवा पथ की स्थिति काफी जर्जर है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त दोनों पथ बनवाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा गया में समीक्षात्मक बैठक के दौरान आश्वासन दिया गया था;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ का निर्माण कबतक कराना चाहेगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पुल निर्माण कबतक

***** 286. **श्री संतोष कुमार सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि जिला रोहतास के प्रखंड में कंजर पंचायत घेबड़ाग्राम में धर्मवती नदी पर पुल का निर्माण नहीं होने के कारण उक्त ग्राम के लोगों को काफी असुविधा होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण करवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पुल निर्माण नहीं

***** 287. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डुमरिया प्रखंड के नारायणपुर पंचायत में मैंगस से नारायणपुर के बीच पुल नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्थान पर पुल नहीं रहने से हजारों ग्रामीणों को आवाजाही में काफी कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पंचायत भवन का निर्माण कबतक

***** 288. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के अगिआंव प्रखंडान्तर्गत वरूणा पंचायत के भवन निर्माण हेतु वरूणा स्थित खाता सं.-493, खेसरा नं.-1976, 1977, 1982 का क्रमश: 72 डिसमिल, 52 डिसमिल एवं 48 डिसमिल कुल 172 डिसमिल जमीन चयनित की गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त चयनित जमीन पर दबंगों का कब्जा है, साथ ही यह बाढ़ग्रस्त एवं विवादित भूमि है;

(ग) क्या यह सही है कि अगिआंव अंचल के ही मौजा-मड़नपुर स्थित खाता नं.-2274, खेसरा नं.-3530, 3531, 3534 एवं 3535 कुल रकबा 180 डिसमिल जमीन विशेष आमसभा द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भवन निर्माण हेतु निर्णय हुआ है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में खंड 'ग' में वर्णित भूमि पर पंचायत भवन का निर्माण कराना चाहती है?

समीक्षा बैठक

***** 289. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के अन्तर्गत गठित जिला परिषद् को खाद्य आपूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा करने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि जिला में खाद्य आपूर्ति विभाग के वरीय पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी होते हैं, जो जिला परिषद् के समीक्षा बैठक में बुलाने पर नहीं आते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि जिला परिषद् की सामान्य बैठक में अनुमंडल पदाधिकारियों को बुलाने का अधिकार है अथवा नहीं, यदि बुलाने का अधिकार नहीं है तो खाद्य आपूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा एवं अनुश्रवण कैसे की जायेगी ?

सड़क का जीर्णोद्धार कबतक

***** 290. **श्री विनोद नारायण झा** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के झंझारपुर में अवस्थित कैथीनिया गुमटी से झंझारपुर बाजार होते हुए राष्ट्रीय उच्च पथ पर जोड़ने वाली सड़क की हालत दयनीय है, यदि हां तो उक्त पथ के चौड़ीकरण एवं जीर्णोद्धार हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है;

जल रिसाव रोकने का उपाय

***** 291. **श्री मनोज यादव** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बांका जिलान्तर्गत चान्दन नदी से ट्रक से बालू उठाव तथा बालू लोड ट्रक से जल के रिसाव के कारण जिले की ग्रामीण तथा मुख्य सड़कें बार-बार गड्ढे में तब्दील हो जाती हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बांका जिले के ग्रामीण तथा मुख्य सड़कों की सुरक्षा हेतु ट्रकों से हो रहे जल रिसाव रोकने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

नियमित बहाली कबतक

***** 292. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में पशु चिकित्सकों की बहाली के स्थान पर मानदेय पर पशु चिकित्सकों की बहाली हुई थी;

(ख) क्या यह सही है कि पशु चिकित्सकों को नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण पारिवारिक संकट बना रहता है;

(ग) क्या यह सही है कि पशु चिकित्सकों को सुदूर प्रखंडों देहातों में मवेशियों की चिकित्सकों करनी पड़ती है, नियमित वेतन नहीं मिलने से कार्यों में उत्साह नहीं है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पशु चिकित्सकों की नियमित बहाली करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 20 मार्च, 2017 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्